मुजफ्फरपुर, 30 नवंबर 2013 दैनिक जागरण |11

www.jagran.com

गन्ना अनुसंधान केंद्र को मिलेगा संस्थान का दर्जा

25वीं रजत जयंती समारोह में बोले निदेशक

जयंती समारोह में शामिल अतिथि जागरण

पानापुर/मोतीपुर (मुजफ्फरपुर), निप्र : मोतीपुर स्थित गन्ना अनुसंधान केन्द्र को शीघ्र ही एक मिनी संस्थान का दर्जा मिलेगा। इसके लिए सारी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। किसानों को नई तकनीक से गन्ने की खेती का संस्थान मौका देगी। उक्त बातें शुक्रवार को केन्द्र के 25वां रजत जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कृषक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए संस्था के निदेशक डा.सुशील सोलोमन ने कही। उन्होंने इस केन्द्र द्वारा अब तक छह गन्ने की प्रजाति विकसित करने पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को शीघ्र यहां हर प्रकार की सुविधा मिलेगी। इसे मिनी संस्थान का दर्जा दिलाने पर भी विचार किया जा रहा है। केवल अंतरिम फैसला होना बाकी है। उन्होंने उत्तराखंड के हरिद्वार एवं महाराष्ट्र में भी गन्ना अनुसंधान केन्द्र खोलने की घोषणा की तथा कहा कि हरिद्वार में केन्द्र की स्थापना के लिए जमीन सर्वे भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने मोतीपुर केन्द्र में वैज्ञानिकों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समस्या का भी शीघ्र समाधान हो जाएगी। दो से चार दिनों में यहां वैज्ञानिकों को पदस्थापित कर दिया जाएगा। संस्थान के फसल उत्पादन निर्माण के अध्यक्ष डा.तपेन्द्र कुमार वर्मा ने शरदकालीन गन्ने की खेती पर बल दिया। केन्द्र के प्रभारी अश्वनी दत्त पाठक ने उपस्थित किसानों को गन्ने की नयी प्रजाति लगाने का सुझाव दिया। डा.एनके सिंह ने मशीन से गन्ने की खेती करने की जानकारी दी। गोष्ठी को किसान विनोद राय, शंभू सिंह, बबलू सिंह, अरविंद सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

मुजफ्फरपुर, शनिवार, 30 नवंबर, 2013
www.prabhatkhabar.com

आधुनिक तरीके से करें गन्ना खेती

- गन्ना प्रजनन संस्थान के रजत जयंती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू
- स्मारिका का विमोचन

प्रतिनिधि, मोतीपुर

स्थानीय गन्ना प्रजनन अनुसंधान केंद्र के रजत जयंती दिवस को राष्ट्रीय समारोह के रूप में मनाया गया. अनुसंधान केंद्र में शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हुआ. बीज उत्पादन कार्यक्रम पर किसानों के प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ सुशील सुलेमन ने किया. उन्होंने कहा कि गन्ना प्रजनन संस्थान को मिनी चीनी उद्योग के रूप में विकसित किया जायेगा. उन्होंने शिविर में उपस्थित किसानों को गन्ना के बेहतर उत्पादन के कई तरीके बताये. उन्होंने किसानों को आधुनिक तरीके से गन्ना की खेती करने व गन्ना के नये 87263, 87268, 89029, को 0233 समेत कई प्रभेदों का इस्तेमाल करने की सलाह दी. संस्थान के नोडल पदाधिकारी एडी पाठक ने कहा कि संस्थान लगातार गन्ना के नये प्रभेदों के इजाद करने में जुटी है. वहीं संस्थान के फसल उत्पादन विभाग के अध्यक्ष डॉ तपेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने शरद कालीन गन्ना के साथ अंतः फसल की खेती करने की सलाह दी. मौके पर संस्थान के निदेशक सुशील सुलेमन ने संस्था की स्मारिका का विमोचन किया. उक्त कार्यक्रम में शनिवार को गन्ना उत्पादन के बेहतर विकल्पों पर चर्चा की जायेगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एडी पाठक व संचालन डॉ दीक्षा ने किया. वहीं धन्यवाद ज्ञापन डॉ एस एन सिंह ने किया. कार्यक्रम को डॉ रत्नेश कुमार, डी के श्रीवास्तव, डॉ मनन सिंह, कृषक मोरसंडी निवासी विनोद राय ने संबोधित किया.

संस्था की स्मारिका का विमोचन करते अतिथि. ■ फोटो । प्रभात खबर

असुविधा के बीच गन्ने की अच्छी फसल से बिहार देश भर में होगा अव्वल : सोलेमन

आधुनिक होगा अनुसंधान केंद्र

संगोष्ठी

मोतीपुर | एक संवाददाता

भारतीय गन्ना अनुसंधान केंद्र की मोतीपुर इकाई का आधुनिकीकरण कर इसे मिनी अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि यहां के किसान गन्ना उत्पादन के मामले में आत्म निर्भर हो सकें। ये बातें शुक्रवार को मोतीपुर गन्ना अनुसंधान केंद्र की दो दिवसीय रजत जयंती समारोह के मौके पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलेमन ने कही।

उन्होंने कहा कि यहां के वैज्ञानिकों ने कम संसाधनों में गन्ना के छह उन्नत किस्म के बीज का अविष्कार किया है। इससे स्थानीय किसानों को अच्छा लाभ मिला और आने वाले समय में यहां के किसानों को संस्थान से और लाभ मिलेगा।

रजत जयंती समारोह में पुस्तक का विमोचन करते निदेशक डॉ. सुशील सोलेमन।

निदेशक डॉ. सोलेमन ने कहा कि स्थानीय किसान असुविधाओं के बीच गन्ने की अच्छी खेती कर रहे हैं। इससे यह साफ जाहिर होता है कि गन्ना उत्पादन करने में बिहार देश में अव्वल रहेगा। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के नोडल पदाधिकारी अश्विनी कुमार पाठक, संचालन डॉ. दीक्षा व धन्यवाद ज्ञापन एसएन सिंह ने किया।

मौके पर गन्ना वैज्ञानिक डॉ. तमेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, हरिनगर चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक डॉ. रत्नेश कुमार, तकनीकी अधिकारी डॉ. मनन सिंह, डॉ. डीके श्रीवास्तव, गन्ना कस्तकार विनोद कुमार राय सहित कई गन्ना वैज्ञानिक व किसान उपस्थित थे।

समारोह

- गन्ना अनुसंधान केंद्र की रजत जयंती पर संगोष्ठी आयोजित
- कम संसाधन में वैज्ञानिकों ने तैयार किये उन्नत किस्म के बीज